‘राजस्थान मंडपम कला, संस्कृति, पर्यटन को बढ़ावा देगा’

मुख्य मंत्री भजनलाल शर्मा ने मंडपम के निर्माण को समय से पूरा करने के निर्देश दिये

जयपुर, 23 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य की कला, संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए तथा सांस्कृतिक और व्यावसायिक आयोजनों के लिए राजस्थान मंडपम प्रमुख आकर्षण का केन्द्र बनेगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जयपुर में बनने वाले इस मंडपम को विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त बनाया जाए तथा इसमें आधुनिक तकनीक और परंपरागत राजस्थानी वास्तुकला का बेहतरीन संयोजन किया जाए। उन्होंने मण्डपम के निर्माण को समयान्तर्गत पूरा करने के निर्देश दिए।

सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान मण्डपम के निर्माण की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि भारत मण्डपम की तर्ज पर जयपुर में राजस्थान मण्डपम का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसमें बनने वाले एग्जीबिशन हॉल, ओपन हॉल तथा ऑडिटोरियम में दर्शक क्षमता का पूरा ध्यान रखा जाए, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भागीदारी कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेक इन इंडिया तथा वन नेशन वन प्रोडक्ट के तहत, स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए मंडपम में यूनिटी मॉल का भी निर्माण किया जाएगा। अधिकारियों को इस मॉल में सभी तरह की आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यहां संसाधन विकसित किये जाएं। उन्होंने मंडपम में बनने वाले यूनिटी मॉल, पार्किंग, दुकानों एवं ऑडिटोरियम सहित पूरे मास्टर प्लान की समीक्षा की।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग, अजिताभ शर्मा, रीको के प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह, एनबीसीसी के मुख्य प्रबंध निदेशक के पी महादेव स्वामी सहित, अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान मण्डपम के निर्माण की तैयारी बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा, राज्य की कला, संस्कृति और पर्यटन को बढ़ ावा देने के लिए तथा सांस्कृतिक और व्यावसायिक आयोजनों के लिए राजस्थान मंडपम प्रमुख आकर्षण का केन्द्र बनेगा।

- **मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि मंडपम में बनने वाले एग्ज़ीबिशन हॉल, ओपन हॉल व ऑडिटोरियम में दर्शक क्षमता का पूरा ध्यान रखें।**

लोक अदालत ने 40.62 लाख केस निपटाये

जयपुर, 23 दिसंबर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से हाईकोर्ट सहित, प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में साल की अंतिम लोक अदालत आयोजित की गई। लोक अदालत में राजीनामे से 7.28 हजार लंबित मामलों सहित, कुल 40.62 लाख प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इसके साथ ही, 11.75 अरब रुपए से अधिक के अवार्ड भी पारित किए गए।

जयपुर पीठ में लोक अदालत का शुभारंभ हाईकोर्ट के जस्टिस व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस पंकज भंडारी ने किया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत हर नागरिक के लिए न्याय प्राप्त करने का सुगम व सुलभ साधन है।

- **हाई कोर्ट व अधिनस्थ अदालतों ने 11.75 लाख रुपये के अवॉर्ड भी पारित किये।**

लोक अदालत एक ऐसी जगह है, जहां विवाद के समाधान की प्रक्रिया में पक्षकार खुद ही भाग लेता है और विवाद का समाधान ही खुद तय करते हैं। हाईकोर्ट की जयपुर पीठ में लोक अदालत के जरिए 655 केसों का राजीनामे के जरिए निस्तारण किया गया। सांगानेर मुख्यालय पर भी लोक अदालत में पांच से दस साल पुराने मामलों व अन्य केसों सहित 726 मामलों का निस्तारण राजीनामे के जरिए हुआ।

इनमें पक्षकारों को 2.83 करोड़ रुपए के अवार्ड जारी किए गए।

रणथंभौर में टाइगर टी 2309 की मौत

आमा घाटी में मिले शव का पोस्टमार्टम कर विधिवत् अंतिम संस्कार किया गया

सवाईमाधोपुर, 23 दिसंबर, (निस) । वन्यजीव प्रेमियों के लिये सोमवार को एक बार फिर रणथंभौर नैशनल पार्क से एक बेहद दु:खद खबर सामने आई। पार्क के आमा घाटी वन क्षेत्र में विचरण करने वाले युवा टाइगर टी 2309 की मौत हो गई।

सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मौका मुआयना करने के बाद, टाइगर के शव को अपने कब्जे में लेकर राजबाग नाका चौकी ले गए, जहां मेडिकल बोर्ड की मौजूदगी में टाइगर के शव का पोस्टमार्टम किया गया और उसके बाद उसका अंतिम संस्कार किया गया। पोस्टमार्टम में टाइगर के शरीर पर घाव के निशान मिले हैं, जिससे संकेत मिलता है कि दूसरे टाइगर के साथ उसकी लड़ाई हुई होगी।

- **टाइगर टी 2309 की टेरिटरी, आमा घाटी में एक और टाइगर, टी 120 गणेश भी विचरण करता था। संभवतः दोनों टाइगरों के बीच संघर्ष में टी 2309 की मौत हुई। पोस्टमार्टम में टेरिटोरियल फाइट के घाव के निशान मिले।**

रणथंभौर के मुख्य वन संरक्षक अनूप के आर ने बताया कि रणथंभौर के आमा घाटी वन क्षेत्र में विचरण करने वाले टाइगर टी 2309 की टेरिटरी में दूसरा टाइगर टी 120 गणेश भी विचरण करता है । संभवतया टी 120 गणेश के साथ संघर्ष में ही टाइगर टी 2309 की मौत हुई है।

वनाधिकारियों के मुताबिक, सोमवार को गश्त के दौरान, वनकर्मियों को रणथंभौर के आमा घाटी वन क्षेत्र में टाईगर टी 2309 का शव पड़ा हुआ मिला था, वनकर्मियों ने इसकी सूचना वनाधिकारियों की दी, जिसके बाद रणथंभौर के डीएफओ रामानंद भाकर सहित, अन्य वनाधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में कर राजबाग नाका चौकी ले गए।

वन अधिकारियों ने बताया कि टाइगर टी 2309, रणथंभौर की बाघिन टी 105 नूरी की संतान है। मृत टाइगर की उम्र करीब साढ़े तीन साल है। वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि टेरिटोरियल फाइट में युवा टाइगर की इस तरह से मौत होना बेहद दुखद है, इससे वन विभाग द्वारा की जा रही बाघों की ट्रैकिंग एंव मॉनिटरिंग पर कई तरह के सवाल खड़े होते हैं।

अडानी ग्रुप ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा, यह अधिग्रहण हमारी इस सोच से जुड़ा है।

एक इंटीग्रेटेड एविएशन सर्विस इकोसिस्टम बनाया जाए, जो भारत के एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर को और सुदृढ़ करेगा। हमारा लक्ष्य भारत के आसमान के भविष्य को आकार देना है।

पिता के हत्यारे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के घर पहुंचें। वहां पहुंचने पर उसने देखा की गोवर्धन घर के बाहर दीवार के पास चित्त अवस्था में पड़े हैं। ऐसे में उसे शक हुआ कि उसके चाचा की कन्हैयालाल या किसी अन्य ने हत्या कर दी है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि गोवर्धन शराब पीने का आदी था और अभियुक्त भी गांजे का नशा करता था। ऐसे में घटना के दिन दोनों में किसी बात पर झगड़ा हो गया और अभियुक्त ने कुल्हाड़ी से पिता गोवर्धन के सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी।

बाँग्लादेश ने भारत से लिखित...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शामिल है और सरकार के विरोध को दबाने के लिए सेना के दुरुपयोग का भी उन पर आरोप लगाया है। हिरासत में हुई कई मौतों के लिए हसीना को आरोपी बताया गया है।

- **बीज़िंग व पाकिस्तान से अफसरों व नेताओं का आवागमन बढ़ा है, जो भारत के लिए चिंता का विषय है।**
- **पर, क्या एक ‘‘फेल देश’’ एक दूसरे देश की मदद कर सकता है, जो ‘‘फेल’’ होने के कगार पर है।**

बाँग्लादेश की सरकार वैध संवैधानिक प्रक्रिया से निर्वाचित नहीं है, इसलिए भारत सरकार इसके डिप्लोमैटिक नोट की अनदेखी कर सकती है।

हसीना के प्रत्यार्पण पर भारत से सीधे टकराने की बजाय बाँग्लादेश अन्य मांगे कर रहा है, जिनसे भारत को परेशानी हो सकती है। अभी तक सीमा पार आतंक से निपटने में बाँग्लादेश ने भारत का सहयोग किया था।

लेकिन अब बाँग्लादेश ने भारत विरोधी गतिविधियों के कारण जेल में बंद आतंकियों को छोड़ दिया है तथा जो आतंकी भारत को धमकियां देते हैं, उन्हें भी शरण दी जा रही है।

बाँग्लोदश, पाकिस्तानी संगठनों को देश में अपनी गतिविधियाँ पुन: शुरु करने के लिए आमंत्रित कर रहा है। सरकारी अधिकारियों व एजेन्टों ने व्यापारियों को भारत से आयात रोकने के निर्देश दिए और कहा है कि पाकिस्तान तथा इस्लामिक देशों से सामान मंगवाएं।

ऐसे में, जब, पाकिस्तान स्वयं भारी संकट में है और उसकी अर्थव्यवस्था डांवाडोल हो रही है, पाकिस्तान से आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं का आयात करने के लिए उस देश से संबंध बढ़ाने के प्रयास भारी नुकसानदायक हो सकते हैं। एक हारा हुआ असफल देश, असफलता की कगार पर पहुँचे दूसरे देश की क्या मदद कर सकता है।

पाकिस्तानी जहाज, पाकिस्तान बंदरगाह पहुँच रहे हैं। बीज़िंग और पाकिस्तान से बढ़ती आवाजाही भारत के लिए चिंता का सबब है, क्योंकि इससे हथियार लाए जा रहे है। बाँग्लादेश ने चीन और पाकिस्तान से मदद मांगी है।

भारत को इस सब का प्रभावी जवाब देना होगा, क्योंकि उपमहाद्वीप में बाँग्लादेश की स्थिति सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भारत को बचाव के उपाय करने होंगे।

बाँग्लादेश के मुख्य सलाहकार यूनुस ने हाल ही में मिस्र की राजधानी काइरो में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात की और उसके बाद से कई जहाज चटगाँव बंदरगाह आए हैं।

घायल सांसदों को अस्पताल से छुट्टी मिली

नयी दिल्ली, 23 दिसंबर। राष्ट्रीय राजधानी के सरकारी राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती लोकसभा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत को छुट्टी दे दी गयी है। संसद परिसर में बीते गुरुवार को धक्का मुक्की में घायल होने के बाद, इन दोनों सांसदों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अस्पताल ने सोमवार को यहां बताया कि दोनों सांसदों को छुट्टी दे दी गई है। दोनों सांसदों को धक्का मुक्की में घायल होने के बाद गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था। सारंगी की आंख के ऊपर गहरी चोट लगी थी, जबकि राजपूत ने सिर में भारीपन और चक्कर आने की शिकायत की थी।

दोनों सांसदों की एमआरआई जांच कराई गई और उन्हें नियमित निगरानी में रखा गया। दोनों सांसदों को 19 दिसंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

‘परभनी हिंसा का पीड़ित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गये तथा पीटे गये लोगों के परिवारों से मिले हैं तथा उन्होंने पोस्ट-मॉर्टम रिपोर्ट, वीडियोज़ तथा फोटोग्राफ देखे हैं। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि सूर्यवंशी की मृत्यु ‘‘शत-प्रतिशत रुप से, पुलिस कस्टडी में हुई मौत है।’’

परभनी में हिंसा की शुरुआत उस समय हुई, जब 10 दिसम्बर को शहर के रेलवे स्टेशन के बाहर डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की मूर्ति के पास रखी शीशे में बन्द संविधान की प्रतिकृति को क्षति पहुँचाई गई।

परभनी के शंकर नगर निवासी सोमनाथ सूर्यवंशी को हिंसा के संदर्भ में गिरफ्तार किया गया था तथा न्यायिक अभिरक्षा के दौरान, 15 दिसम्बर को उसकी मृत्यु हो गई। उस समय उसने सीने में दर्द की शिकायत की थी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने पुलिस को संदेश देने के लिये, विधानसभा में झूठ बोला था। राज्य भाजपा अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने राहुल गांधी की आलोचना करते हुये, उनके दौरे को एक ‘‘ड्रामा’’ बताया। उन्होंने गांधी से कहा कि ‘‘फोकस इस बिन्दु पर होना चाहिये कि रचनात्मक साधनों के जरिये, समाज को कैसे लाभान्वित किया जाये।’’

डिजिटल ठगों ने इंजीनियर से 12 करोड़ रू. लूटे

11 नवम्बर से 12 सितम्बर तक इंजीनियर को डरा कर 11 करोड़ 84 लाख रूपये 9 खातों में ट्राँसफर कराये

बंगलुरु, 23 दिसंबर। देश में डिजिटल फ्रॉड के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ताजा मामला बंगलुरु का हैं, जहां डिजिटल ठगों ने एक इंजीनियर को अपना शिकार बनाया है और इंजीनियर से करीब 12 करोड़ रुपए ठगे। इस घटना के सामने आने के बाद साइबर दुनिया में हड़कंप मच गया है। बेंगलुरु नार्थ डिवीजन के तहत 39 साल के एक इंजीनियर ने डिजिटल ठगों के चक्कर में पड़कर करीब 12 करोड़ रुपए गंवा दिए हैं। इस युवक को जब तक ये पता चला कि उसके साथ डिजिटल ठगी हुई है, तब तक उसकी सारी कमाई लुट चुकी थी।

इस युवक ने पुलिस की साइबर, इकोनॉमिक और नारकोटिक्स यानी सीईएन ब्रांच में 12 दिसम्बर को एक शिकायत दर्ज करवाई। इस शिकायत में युवक ने पुलिस को बताया कि 11 नवम्बर से 12 दिसम्बर के बीच डिजिटल ठगों ने युवक से 11 करोड़ 84 लाख रुपए ऐंठ लिए।

पुलिस में दी गई शिकायत के मुताबिक, इस युवक को 11 नवम्बर को एक आईवीआर फोन आया, जिसमें कहा गया कि ये कॉल टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी टीआरएआई से है। उसके फोन नम्बर का मिसयूस हुआ है और 2 घंटे में उसका फोन कट जाएगा। उसने जब कारण पूछा तो उसे 8791120937 से एक फोन आया और सामने वाले ने कहा कि वो मुम्बई के कोलाबा से क्राइम ब्रांच का अफसर है और उसके आधार नम्बर के साथ कोलाबा में एक केस दर्ज हुआ है, उसे बताया गया कि नरेश गोयल नाम के एक व्यक्ति को 6 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग के केस में पकड़ा गया है, और इसमें उसके आधार कार्ड और फोन की डिटेल्स मिली हैं।

- **टी.आर.ए.आई., कस्टम व ई.डी. तथा पुलिस अधिकारी बनकर वीडियो कॉल पर डिजिटल अरैस्ट की बात कर ठगों ने यह वारदात की।**

ये युवक डर गया जिसके बाद उसे एक और नम्बर 7420928275 से फोन आया और उसने खुद को कस्टम और ई.डी. का अधिकारी बताया और इस युवक को डिजिटल अरेस्ट करने की बात कहते हुए उससे मोबाइल फोन पर 2 एप और स्काईप डाउनलोड करने को कहा।

इसके बाद पुलिस अधिकारी का वेश बनाकर एक और ठग ने 9997342801 से वीडियो कॉल किया और उसे बताया कि अब ये केस सुप्रीम कोर्ट में चला गया है और न सिर्फ वो बल्कि उसके परिवार के बाकी लोगों को भी अब जिंदगी भर जेल में रहना होगा। ये युवक बुरी तरह डर गया और इसका फायदा उठाते हुए ठगों ने उसके बैंक में जमा राशि की सारी जानकारी उससे ले ली और उससे कहा कि उसे अपने अकाउंट से पैसे आरबीआई के अकाउंट में जमा कराने होंगे और एक बार वेरिफिकेशन हो जाने के बाद ये रुपये उसके अकाउंट में वापस भेज दिए जाएंगे।

जिसके बाद 11 नवम्बर को उसने आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के एक अकाउंट में 75 लाख जमा कराए, उसके अगले दिन यूसीओ बैंक के एक अकाउंट में 3 करोड़ 14 लाख जमा कराए, इसके बाद उसे मनी लॉन्ड्रिंग के इस केस से बाहर निकालने के लिए और रुपयों की डिमांड की गई, चूंकि पीड़ित बुरी तरह घबराया हुआ था।

प्र.मंत्री ने वीडियो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि फॉर्म भरने के बाद, अगर सरकारी तंत्र की असफलता के कारण पेपर लीक हो जाते हैं या भ्रष्टाचार होता है तो युवाओं का यह पैसा बर्बाद हो जाता है।

प्रियंका ने कहा कि माता-पिता तो अपना जीवन समर्पित कर देते हैं तथा अपने बच्चों की पढ़ाई तथा परीक्षाओं की तैयारी पर खर्च के लिये एक-एक पैसा बचाते हैं, ‘‘लेकिन भाजपा सरकार ने उनके सपनों को आय के स्त्रोत के रूप में बदल दिया है।’’

कांग्रेस सांसद ने अपनी पोस्ट के साथ, सरकारी नौकरी का एक विज्ञापन भी शेयर किया है, जिसमें एस.सी./ एस.टी. सहित, विभिन्न श्रेणियों के उम्मीदवारों को 18 प्रतिशत जी.एस.टी. वसूला जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस तथा इंडिया ब्लॉक के अन्य राजनैतिक दल सरकार की आलोचना करते हुये कहते आ रहे हैं कि सरकार बेरोजगारी के मुद्दे के समाधान में कथित रूप से असफल रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर नरेन्द्र मोदी सरकार पर जबरदस्त हमला बोला था तथा बेरोजगारी को इस सरकार के शासनकाल का सबसे बड़ा अभिशाप बताया था।

पीलीभीत में 3 खालिस्तानी आतंकी मारे गए

पीलीभीत, 23 दिसंबर। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में यूपी और पंजाब पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। यूपी और पंजाब पुलिस ने मुठभेड़ में तीन खालिस्तानी आतंकियों को मार गिराया है। तीनों आतंकी खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स आतंकी संगठन के थे। मौके से दो एके-47 और दो पिस्टल बरामद की गई हैं। तीनों आतंकियों ने गुरदासपुर चौकी पर ग्रेनेड फेंका था।

पूरनपुर क्षेत्र में पंजाब और यूपी पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की है। पूरनपुर क्षेत्र में हरदोई ब्रांच नहर के करीब सोमवार सुबह करीब पांच बजे मुठभेड़ हुई। मारे गए आतंकियों में गुरदासपुर निवासी गुरविंदर सिंह, वीरेंद्र सिंह उर्फ रवि और जसप्रीत सिंह उर्फ प्रताप सिंह हैं।

पीलीभीत एस.पी. अविनाश पांडेय ने बताया कि सोमवार सुबह थाना पूरनपुर पहुँची पंजाब की गुरदासपुर पुलिस की टीम ने सूचना दी कि कुछ दिन पहले गुरदासपुर में बख्शीवाल पुलिस चौकी पर खालिस्तानी आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया था और उनके पूरनपुर क्षेत्र में छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद तुरंत पूरे जिले की नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू की गई।

इसी बीच, खमरिया पॉइंट पर तैनात पुलिसकर्मियों ने सूचना दी कि एक बाइक पर तीन संदिग्ध नज़र आए हैं। उनके पास कुछ संदिग्ध वस्तुएं हैं और ये लोग बाइक से पीलीभीत की तरफ गए हैं। पंजाब पुलिस और पूरनपुर पुलिस ने उनका पीछा किया, आगे के थानों को अलर्ट किया गया। एस.पी. अविनाश पांडेय ने बताया कि पूरनपुर और पीलीभीत के बीच निर्माणाधीन पुल पर इन लोगों को पुलिस ने घेरा तो ये लोग एक पटरी की तरफ मुड़ गए। इसके बाद उन्हें रुकने के लिए कहा गया तो उन्होंने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में तीनों आतंकियों को गोलियाँ लगीं। हॉस्पिटल में उनकी मौत हो गई। पंजाब पुलिस ने बताया कि इन आतंकियों का विदेशी कनेक्शन है।

मानवाधिकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आपातकालीन दरवाजों का नहीं होना, ऐसी घटनाओं को और अधिक गंभीर बना देता है। इसके अलावा, फिटनेस और परमिट की अवधि बीतने के बाद भी ऐसे वाहनों का सार्वजनिक मार्गो पर चलना यह दर्शाता है कि परिवहन और यातायात विभाग अपने विधिक दायित्वों की पालना नहीं कर रहे हैं।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908